इंदौर को मिली 773 करोड़ की बड़ी सौगात

- जल्द तैयार होगा 1450 बिस्तरों का नया एमवाय अस्पताल, मुख्यमंत्री ने किया भूमिपूजन
- मेडिसिन व सर्जरी के 330-330, ऑर्थोपेडिक्स के 180, शिशु सर्जरी के 60 बेड वाला अत्याधुनिक भवन

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की स्वास्थ्य सुविधाओं को रविवार को नई ऊंचाई मिली. शहर को 773.07 करोड़ रुपए की लागत से 1450 बिस्तरों वाला नया एमवाय अस्पताल मिलने जा रहा है. इस अस्पताल में मेडिसिन और सर्जरी विभाग के 330-330, ऑर्थोपेडिक्स के 180, शिशु रोग सर्जरी के 60, शिशु रोग वार्ड के 100 और इमरजेंसी मेडिसिन के 180 बिस्तरों की सुविधा होगी. महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में नए अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 11 वर्षों में देश और मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार विस्तार हुआ है. नए मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज खुल रहे हैं और सरकार का फोकस नागरिकों को बेहतर, सुलभ और आधुनिक इलाज उपलब्ध कराने पर है. मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर प्रदेश का प्रमुख चिकित्सा केंद्र है और नया एमवाय अस्पताल बनने के बाद इसकी भूमिका और मजबूत होगी. इससे न केवल प्रदेश बल्कि पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों से आने वाले मरीजों को भी यहां बेहतर उपचार मिल सकेगा. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े तंत्र को मजबूत किया है. एमवाय अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट जैसी जटिल सुविधाएं पहले से नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं.

यह भी थे मौजूद...

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. स्वागत उद्बोधन विधायक गोलू शुक्ला ने दिया. कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित विधायक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे.

गुणवत्ता सर्वोपरि रहे

मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल भवन के निर्माण में गुणवत्ता सर्वोपरि रहे. नया अस्पताल भवन मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा निर्मित किया जाएगा. इसमें मेडिसिन, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, शिशु रोग, न्यूरो सर्जरी, ईएनटी, दंत रोग, त्वचा रोग, मातृ एवं शिशु, नेत्र तथा इमरजेंसी मेडिसिन विभागों के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए जाएंगे. केवल वार्ड निर्माण पर 528 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे.

जल्द मिलेंगी यह सौगातें भी...

परियोजना में 550 बिस्तरों वाला नर्सिंग हॉस्टल, 250 सीटर मिनी ऑडिटोरियम, सार्वजनिक पार्किंग, विद्युतीकरण, सोलर पैनल, बाउंड्रीवॉल, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, प्लंबिंग और वाटर सप्लाई से जुड़े कार्य भी शामिल हैं. इन सभी को मिलाकर पूरे प्रोजेक्ट की लागत 773.07 करोड़ रुपए तय की गई है.

रीवा से इंदौर के लिए इंडिगो एयरलाइन्स का विमान 22 दिसंबर को भरेगा उड़ान

- उप मुख्यमंत्री ने शुभारंभ की तैयारियों की समीक्षा की

इंदौर. रीवा से इंदौर के लिये सीधी विमान सेवा 22 दिसंबर से प्रारंभ होगी. इंडिगो एयरलाइन्स का विमान रीवा एयरपोर्ट से इंदौर के लिये 22 दिसंबर को रवाना होगा.

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट पहुंचकर शुभारंभ की तैयारियों का जायजा लिया तथा एयरपोर्ट एवं इंडिगो एयरलाइन्स के दिल्ली एवं मुंबई से आये अधिकारियों से व्यवस्थाओं, यात्री सुविधाओं एवं संचालन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा से इंदौर हवाई सेवा विन्ध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देगा तथा विकास, व्यापार और पर्यटन के अवसरों को सशक्त बनाएगा. इससे विन्ध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी. उन्होंने कहा कि इस हवाई सेवा से विन्ध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिकों को व्यापार, व्यवसाय के साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा में सुविधा भी मिलेगी. इस अवसर पर रीवा एयरपोर्ट एवं इंडिगो के अधिकारी उपस्थित रहे.

एक नजर में

ईशान्य संस्कृति उत्सव ऑक्टेव 25 दिसंबर से

इंदौर. दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र नागपुर संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से उत्तर पूर्वी राज्यों की सांस्कृतिक विरासत देखने का मौका 25 दिसंबर से लालबाग प्रांगण पर मिलने वाला है यह लोक संस्कृति मंच एवं दक्षिण मध्य संस्कृतिक केंद्र नागपुर का संयुक्त आयोजन है. वही शिल्प मेला 22 दिसंबर से शुरू होकर 31 दिसंबर तक रहेगा. दक्षिण मध्य संस्कृतिक केंद्र नागपुर के निदेशक आस्था गोडबोले कार्लेकर एवं इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने बताया उत्तर पूर्वी भारत के आठ राज्यों को इसमें शामिल किया गया है इसलिए इस उत्सव का नाम आक्टेव रखा गया है क्योंकि इसमें असम त्रिपुरा अरुणाचल प्रदेश नागालैंड मेघालय मिजोरम मणिपुर और सिक्किम शामिल है यह एक वार्षिक महोत्सव है जो हर साल पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित किया जाता है इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य इन आठ राज्यों की कला संस्कृति और शिल्प कौशल का परिचय पूरे देश से करवाना एवं इसको समृद्ध करके आगे बढ़ाना है. शिल्प को प्रसारित एवं प्रसारित करने हेतु शिल्प मेला 22 दिसंबर से ही लालबाग परिसर में शुरू हो जाएगा. लोक संस्कृति मंच इस दौरान लाल बाग पर शिल्पकारों के लिए व्यवस्थाएं जुटा रहा है जिसमें देशभर के एवं उत्तर पूर्वी राज्यों के शिल्पकार अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए एवं विक्रय करने के लिए यहां शामिल होंगे.

गणितज्ञ रवि गणित की राष्ट्रीय कांफ्रेंस में आमंत्रित

इंदौर. शहर के जाने-माने गणितज्ञ रवि आसरानी को राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में दोहरा सम्मान मिलने जा रहा है. अहमदाबाद में 20 से 22 दिसम्बर तक होने वाले राष्ट्रीय गणित सम्मेलन में आसरानी का चयन रामानुजन अवॉर्ड के लिए किया गया है. यह सम्मेलन ऑल इंडिया रामानुजन मैथ्स क्लब के सहयोग से साइंस सिटी अहमदाबाद में गुजकोस्ट और डीएसटी के साथ मिलकर किया जा रहा है. रामानुजन अवार्ड प्रत्येक वर्ष देश के केवल एक ऐसे व्यक्ति को दिया जाता है जिसने गणित की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया हो. यही नहीं, भारत सरकार की राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इस वर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस 22 दिसंबर के उपलक्ष्य में आसरानी को 22 से 24 दिसम्बर तक आरआई अजमेर में होने वाले राष्ट्रीय गणित सम्मेलन में भी आमंत्रित किया है. एनसीईआरटी प्रतिवर्ष देश के गणितज्ञों के मौलिक शोध पत्र आमंत्रित कर उनमें से लगभग 72 शोध पत्रों का चयन करती है और उन्हें राष्ट्रीय गणित सम्मेलन में आमंत्रित कर सम्मानित करती है। रवि आसरानी पिछले 7 वर्षों से लगातार प्राचीन भारतीय वैदिक गणित पर अपने मौलिक शोध पत्रों के लिए इस कांफ्रेंस में आमंत्रित किए जा रहे हैं, जो किसी भी गणितज्ञ के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है.

6 मातृ शक्तियां इंदिरा आवॉर्ड से होंगी सम्मानित

इन्दौर. श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा विजय दिवस 16 दिसम्बर पर 6 मात्र शक्तियाँ इंदिरा आवॉर्ड से होगी. सम्मानित ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल, समाज सेवी मदन परमालिया ने बताया कि इस अवसर पर समाज में अपनी सेवाएं देने वाली 6 मातृ शक्तियों को इंदीरा आवॉर्ड देने का निर्णय लिया गया. इसमें साधना भण्डारी, नीता नामदेव, किरण जिरेती, भाग्यश्री खरखड़िया, शशी यादव, डॉ. पायल प्रमाणीक शामिल हैं. इंडीयन कॉफी हाउस रिगल तिराहा पुलिस अधीक्षक कार्यालय समीप 16 दिसम्बर को प्रात: 10 बजे इस अवसर पर मुख्य अतिथि अ.भा. कार्गेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, श्याम सुन्दर यादव, राधेश्याम पटेल, चेतन सिंह चौधरी होंगे.

हर्षदीप के गीतों से सूफियाना हुई शाम

इंदौर. फीनिक्स सिटाडेल मॉल में आयोजित हुए लाइव कॉन्सर्ट्स में मशहूर बॉलीवुड गायिका हर्षदीप कौर की मखमली आवाज का जादू इंदौरवासियों के सिर चढ़कर बोला. कार्यक्रम में 5000 से अधिक संगीत प्रेमियों ने सिरकत की। सेलिब्रेशन पार्टनर के तौर पर सोम ग्रुप ने माहौल को और रंगीन बना दिया. कार्यक्रम में सोम ग्रुप के शानदार बेवरेज- हंटर और वुडपेकर बीयर, महावत व्हिस्की, व्हाइट फॉक्स वोदका का सुरूर लोगों के सर चढ़कर बोला. लाइव कॉन्सर्ट्स में हर्षदीप कौर की मखमली आवाज में कभी सूफियाना रंग चढ़ा तो कभी बॉलीवुड का तड़का लगा. कभी पंजाब की खुशबू बिखरी तो कभी मोहब्बत का सुरूर छाया. कव्वाली की गूंज भी सुनाई. दर्शक दिल थामकर सुनते रहे और हर्षदीप के साथ थिरकते रहे. रेटिश इवेंट्स और बिग एफएम ने संयुक्त बयान में कहा कि बिग धुन कॉन्सर्ट का उद्देश्य हमेशा से संगीत और साझा अनुभवों के माध्यम से शहर को एकजुट करना रहा है. कॉन्सर्ट का समापन दर्शकों की उत्साही भागीदारी, सामूहिक गायन और पूरे स्थल पर कैद हुए अनगिनत खुशी के पलों के साथ हुआ.

मुख्यमंत्री ने श्रीअन्न फूड फेस्टिवल एवं जैविक महोत्सव का किया अवलोकन

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में श्रीअन्न (मिलेट्स) फूड फेस्टिवल का अवलोकन कर जैविक महोत्सव को सराहा. यहाँ प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर किसानों से जानकारी भी ली. इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार ढक्कन वाला कुआं पर आयोजित जैविक महोत्सव पर स्थापित गाय की प्रतिमा के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फोटो भी खिंचवाए. इस दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी मौजूद थे.

सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करें युवा

- विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

इंदौर. वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स एवं एनडीएलआई क्लब द्वारा महिला अधिकार संरक्षण समिति तथा आईक्यूएसी (एसवीसीएसी, इंदौर) के अंतर्गत सांस्कृतिक एवं विद्यार्थी गतिविधि समिति के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में सामाजिक जागरूकता को समर्पित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया.

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि सोशल मीडिया जहाँ एक ओर सूचना, संवाद और अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, वहीं दूसरी ओर इसका असंतुलित उपयोग तनाव, चिंता और मानसिक दबाव का कारण भी बन सकता है. प्रस्तुति का उद्देश्य सोशल मीडिया की दोहरी प्रकृति को उजागर करते हुए युवाओं को इसके सकारात्मक, सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा. इस नुक्कड़ नाटक में 12 छात्राओं के समूह ने सशक्त अभिनय के माध्यम से विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के 150 से अधिक छात्र-छात्राएँ एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे.

सोशल मीडिया के प्रति जागरूक होना जरूरी

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में युवाओं का सोशल मीडिया के प्रति जागरूक और संतुलित दृष्टिकोण रखना अत्यंत आवश्यक है. संचालन डॉ. अंजु अग्रवाल द्वारा किया गया. कार्यक्रम की संयोजक डॉ. वंदना मिश्रा रहीं तथा आभार प्रदर्शन प्रोफेसर रश्मि पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर प्रो विभोर ऐरन डॉ राकेश उपाध्याय एवं, डॉ. प्रियंका सिंदल, प्रोफेसर सत्यम पांचाल, प्रोफेसर मीनल केशनिया सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे.

बिगड़ी बात बना देना नैया पार लगा देना राम...

- गायिका संध्या दवे और कीर्ति निगम ने भक्ति गीतों की गंगा बहाई
- श्रीनाथ मन्दिर में उप शास्त्रीय गायन आयोजित

इंदौर. साउथ तुकोगंज स्थित श्रीनाथ मन्दिर संस्थान परिसर में शहर की वरिष्ठख्याति प्राप्त गायिका संध्या दवे का उप शास्त्रीय गायन हुआ. इस मौके पर उन्होंने शास्त्रीय गायन के साथ भक्ति गीतों की दमदार प्रस्तुति दी.

उन्होंने पुरजोर कशिश आवाज में मराठी अभंग पंढरी चा वास चंद्रभागे... सुनाकर नाथभक्तों को भाव विभोर कर दिया. भक्तों की फरमाइश पर विट्ठल और नाथ महाराज के प्रिय भजन- थोड़ा थांबा ना नाथा माधवनाथ... और काँहाडा राजा पंढरीचा विठ्ठल... आदि सुनाकर भक्ति गीतों की गंगा बहाई. मराठी अभंग बेढ़ा वेठारे पंढरी... मंगला फूल... सुनाए. उसके बाद हिंदी भजन हरि सुंदर मूंद निकंद हरिनारायण हरि ओम... की प्रस्तुति दी. गायिका संध्या ने हिंदी और मराठी भाषा में भक्ति और शास्त्रीय गीतों की एक के बाद एक लड़ियाँ पिरोकर पूरे माहौल को भक्ति मय कर दिया. सहगायिका कीर्ति निगम ने कबीर और मीरा के सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी. उन्होंने शुरूआत गजानना श्री गणराया... भजन से की. इसके पश्चात बिगड़ी बात बना देना नैया पार लगा देना, राम सियाराम... और सुंदर ते ध्यान... सुनाकर खूब तालिया बटोरी. कार्यक्रम का समापन प्रिय भजन अच्युत केशवम कृष्ण दामोदर... से हुई. संगीत संयोजन पिंटू कसेरा का था. तबले पर संगत रोहित शर्मा ने और आक्टोपेड पर संगत स्वराज कसेरा ने दी.

कई मंचों पर दी प्रस्तुतियां

प्रवीण जोशी ने बताया कि संध्या दवे वरिष्ठ सुगम संगीत और शास्त्रीय गायिका है वे विगत 35 वर्षों से गरबा, गणेश उत्सव, फाग महोत्सव, कृष्ण जन्मोत्सव एवं अन्य मंचों पर ढेरों प्रस्तुतिया दे चुकी है. लता अलंकरण से सम्मानित संध्या दवे आकाशवाणी की वर्षों तक कलाकार रही है. संगीत कलाकारों का स्वागत सुलभा आपटे एवं अवधूत पुंडलिक ने किया. संचालन एवं आभार डॉ. संदीप तारे ने किया.आयोजन श्रीनाथ मन्दिर संस्थान और डॉ. वेजयंती भोरास्कर की ओर से किया गया था. इस मौके पर केतकी गग वानी, राजीव प्रधान, विजय दवे, कंचन तारे, रमेश गुरु, जितेंद्र गुप्ता, आशीष निगम, विनोद लोंडे सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे.

आंखों पर पट्टी बांधकर की राइफल शूटिंग, खेला क्रिकेट

- विद्यार्थियों ने क्वांटम ब्रेन परेड में बनाया विश्व रिकॉर्ड
- वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स ने किया सम्मानित

इंदौर. मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल प्रांगण में आयोजित क्वांटम ब्रेन परेड के दौरान 235 विद्यार्थियों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर तीन घंटे तक लगातार विभिन्न जटिल गतिविधियाँ कीं और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया. उन्होंने शिक्षा के साथ मानव क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन किया.

कार्यक्रम का उद्घाटन वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के संजय शुक्ला ने किया. कार्यक्रम में मौजूद लगभग 300 अभिभावक और अतिथियों ने छात्रों ने अपनी आंखों को पूरी तरह ढककर राइफल शूटिंग, स्केटिंग, साइकिलिंग, क्रिकेट, बास्केटबॉल, चेस (शतरंज) और कैरम जैसे खेल पूरे आत्मविश्वास के साथ खेले. इसके अलावा, छात्रों ने पट्टी बांधकर किताबें पढ़ीं, करेंसी नोट पहचाने और रंगों को एकदम सही पहचान कर अपनी विकसित छठी इंद्रिय का प्रमाण दिया. तीन घंटे तक चले इस प्रदर्शन के समापन पर, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अधिकारियों ने इस उपलब्धि की पुष्टि की. मौके पर ही मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों को प्रोविजनल सर्टिफिकेट और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया.

मानव मस्तिष्क की क्षमताएं असीमित

रिकॉर्ड बनने के बाद मॉडर्न इंस्टीट्यूट्स के वाइस चेयरमैन, डॉ. शांतनु खारिया ने कहा छात्रों ने साबित कर दिया है कि यदि सही वैज्ञानिक प्रशिक्षण मिले, तो मानव मस्तिष्क की क्षमताएं असीमित हैं. यह उपलब्धि अत्यधिक स्क्रीन टाइम और एआई के दबाव के बीच एक उम्मीद की किरण है. शुभांगी खारिया ने कहा आज हमने जो देखा वह जादू नहीं, बल्कि अवचेतन मन की शक्ति है. प्रिंसिपल जूली चाको ने कहा ये बच्चे, जो कल तक परीक्षा और सोशल मीडिया के दबाव से जूझ रहे थे, आज आत्मविश्वास की मिसाल बन गए हैं.

महाराष्ट्र राज्य मराठी नाट्य प्रतियोगिता में नाट्य भारती की हेट्रिक

- जलगांव केंद्र पर काय लिहून ठेवलय कुणास ठावुक को द्वितीय स्थान

इंदौर. 64वीं महाराष्ट्र राज्य शौकिया मराठी ड्रामा कॉम्पिटिशन में, हैट्रिक लगाकर नाट्य भारती इंदौर ने दूसरा पुरस्कार जीता. जलगांव केंद्र पर, श्रीकांत बोजेवार, नितिन थोरात, मधुकर धर्मापुरिकर, विलास पाटिल, विद्यासागर महाजन, विनोद गोरवाडकर, मीनाक्षी अम्बेकर व वामन काले की कथाओं पर आधारित, श्रीराम जोग लिखित मराठी नाटक काय लिहून ठेवलय कुणास ठाऊक को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ.

लगभग 35 कलाकारों वाले इस नाटक को मार्च में होनेवाले प्रतिष्ठित फाइनल राउंड के लिए भी चुना गया है. पिछले लगातार तीन वर्षों से इस प्रतियोगिता में नाट्य भारती प्रथम या द्वितीय स्थान प्राप्त कर रही है. पिछले 64 वर्षों से, रंगमंच कलाकारों एवं नये नाट्य लेखन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सतत आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में नाट्य भारती, महाराष्ट्र से बाहर की एकमात्र संस्था है जिसे पुरस्कार के लिए चुना गया. द्वितीय स्थान के साथ निर्देशन के लिए श्रीराम जोग को द्वितीय, प्रकाश योजना के लिए अभिजीत कळमकर को द्वितीय, संगीत हेतु शशिकांत किरकिरे द्वितीय, नेपथ्य हेतु अनिरुद्ध किरकिरे तृतीय तथा अभिनय के लिए श्रुतिका जोग कळमकर व श्रीराम जोग को गुणवत्ता प्रमाण पत्र दिए जायंगे. सांस्कृतिक कार्य विभाग महाराष्ट्र शासन द्वारा राज्य के अलग अलग शहरों के 20 केन्द्रों पर आयोजित इस प्रतियोगिता में, 500 से अधिक नाटकों की प्रस्तुतियां दी गईं.

अटल जी की 100वीं जन्म जयंती पर शून्य से शतक कार्यक्रम 21 को

इंदौर. पूर्व प्रधानमंत्री एवं राजनीति में सुचिता के प्रतीक स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के 100 वें जन्म जयंती वर्ष के मौके पर इंदौर में 21 दिसंबर को एक कार्यक्रम शून्य से शतक का आयोजन किया गया है. इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति, प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री भाग लेंगे. इस कार्यक्रम में चार विद्वानों को अटल अलंकरण से अलंकृत किया जाएगा.

यह जानकारी अटल फाउंडेशन की ओर सांसद शंकर लालवानी एवं फाउंडेशन की अध्यक्ष माला वाजपेयी तिवारी ने दी. उन्होंने बताया कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के 100 वें जन्म जयंती वर्ष के मौके पर पूरे वर्ष देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इसी कड़ी में अब वर्ष समाप्त होने से पूर्व 21 दिसंबर को डेली कॉलेज के धीरूभाई अंबानी सभागृह में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम में भाग लेने के लिए देश के

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इंदौर आ रहे हैं. कार्यक्रम का आयोजन को दोपहर 3 बजे से किया गया है. इस अवसर पर कवि सत्यनारायण सत्तन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, भारतीय क्रिकेट टीम चयन समिति के पूर्व चयन कर्ता संजय जगदाले और सागर के पारंग शुक्ला को अटल अलंकरण से अलंकृत किया जाएगा. अटल जी से जुड़े संस्मरणों पर आधारित किताब के तीसरे एडिशन सदा अटल महा ग्रंथ के कवर पेज का लोकार्पण भी किया जाएगा. लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन सहित कई राज्यों के मंत्री और सांसद भी भाग लेंगे.

एक नजर में

भारतीय ज्ञान परंपरा राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित, श्रेष्ठ शोध पत्र को मिला पुरस्कार

संस्कृत का पठन-पाठन और उच्चारण हमारे लिए लाभदायक

इंदौर. संस्कृत एक भाषा तक ही सीमित नहीं है इसका पठन पाठन और उच्चारण मानव मात्र के लिए लाभ दायक है, विज्ञान में भी संस्कृत को मान्यता मिली नासा शोध संस्थान इसका जीता जागता उदाहरण है. भारतीय ज्ञान परंपरा में वेद पुराण और कर्मकांड को सर्वोच्च स्थान दिया गया है इसे हमें आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने की जवाबदारी को निभाना होगा, जिससे नए भारत नए भारत का नवनिर्माण होगा, दुनिया भर में हमारी संस्कृति पर आने वाली पीढ़ी को गर्व रहेगा.

यह विचार संस्कृत कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा केअंतर्गत देश भर से आए विद्वानों के बीच अतिथियों ने रखी. भारतीय ज्ञान परंपरा राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक पूर्व राज्य मंत्री दर्जा पंडित योगेंद्र महंत, डॉ विनायक पांडे ने बताया कि रविवार का दिन संस्कृत कॉलेज के लिए अभिभूत कर देने वाला रहा. इस राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्मेलन में राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, सहित कई राज्यों के सैकड़ो वेद पुराण, कर्मकाण्ड, वास्तु ज्योतिष के जानकारों की सहभागिता रही. देहरादून राजेश बेंजवाल ने वास्तु विषय पर विचार रखे. साकेत कुमार कुमार मिश्र ने कहां की हमें संस्कृति और संस्कार को समाज के प्रत्येक वर्ग तक जन-जन तक पहुंचाना होगा तब जाकर हमें हमारी परंपरा पर गौरवान्वित करने वाली पीढ़ी तैयार हो पाएगी.

संयुक्त परिवार के लाभ बताए

अर्चना भोजने ने कहा कि विवाह संस्कार को युवा पीढ़ी के बीच रखना होगा. आज के समय में कई कुरीतियों समाज को दुर्दशा की ओर ले जा रही है. इसी पीढ़ी को विवाह के संस्कार के बारे में बताएंगे तो नव चेतना का सृजन होगा. कपिल शर्मा ने संयुक्त परिवार के लाभ बताए और आज एकल परिवारों की दुर्दशा और नुकसान से सचेत कराया. समन्वयक डॉक्टर अभिषेक पांडे, सुनील भार्गव,गिरीश व्यास ने कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथियों का स्वागत किया।